ही िरना होगा। किर इस िाि िें बुराई क्या है? उसिे कपता ही तो उसे बताते रहे थे उसिे पररवार िा पेट भरने आस आस िाता।

यह जानिर सूंतोष हुआ कि िाि सीखने िे बाि बेटी िो नौिरी किल जाएगी। नौशल पररषि (इूंकियन प्लक्बूंग कलिल्स िाउूंकसल) िी प्रचार सािग्री से उसे हाूं, इतना जरूर जानना चाहा कि ऐसा वह क्यों िरना चाहती है। भारतीय नलसाज एि किन उसने घर आिर अपने कपता िो बताया कि वह नल िा िाि सीखना िो उसिे पढने पर ऐतराज नहीं था। पर उसने ऐसा नहीं किया।

रससी थी। ऊिूय या होि साईन्स किसी िें भी वह िाकखला ले सिती थी। कपता िरनी है। जहाूं िाकखला किल गया, वही कवषय ले कलया। नाजरीन भी ऐसा ही िुछ िालेज िें िाकखला ले लेते हैं। यहाूं भी पता नहीं होता कि उन्हें किस कवषय िें पढाई किया?

12वी तो क्या, बीए,एस िे कार्य भी उसने नहीं िता रहा कि के आगे क्या करना चाहते हैं। कपता यह बताते हुए िूले नहीं सिाते।

12वीं के बाद वह फिल्म निर्माण के कार्यक्रम में जमबी और पतली-बड़ी नाजरीन अपनी चार बहनों में समसे छोटी है। उसे उसे बाँटने के बाद भी उन्होंने नहीं िता रहा कि के आगे क्या करना चाहते हैं। कपता ने उसके हुए प्रश्नों का सारे दिन नहीं किया। कपता ने उसके हुए प्रश्नों का सारे दिन नहीं किया।

12वीं के बाद वह फिल्म निर्माण के कार्यक्रम में जमबी और पतली-बड़ी नाजरीन अपनी चार बहनों में समसे छोटी है। उसे उसे बाँटने के बाद भी उन्होंने नहीं िता रहा कि के आगे क्या करना चाहते हैं। कपता ने उसके हुए प्रश्नों का सारे दिन नहीं किया।

बच्चाओं के नुकु र पररवार में जमबी और पतली-बड़ी नाजरीन अपनी चार बहनों में समसे छोटी है। उसे उसे बाँटने के बाद भी उन्होंने नहीं िता रहा कि के आगे क्या करना चाहते हैं। कपता ने उसके हुए प्रश्नों का सारे दिन नहीं किया।

12वीं के बाद वह फिल्म निर्माण के कार्यक्रम में जमबी और पतली-बड़ी नाजरीन अपनी चार बहनों में समसे छोटी है। उसे उसे बाँटने के बाद भी उन्होंने नहीं िता रहा कि के आगे क्या करना चाहते हैं। कपता ने उसके हुए प्रश्नों का सारे दिन नहीं किया।
इंद्रधनुषी छटा से आगे जाने की तमन्ना

28 सदरमीय भारतीय टीम वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। यह प्रतियोगिता हर दो साल पर आयोजित की जाती है, जिसमें 23 साल के अधिक वयस्क भाग ले लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होनेवाली इस प्रतियोगिता को जीवन का अवलम्बित माना जाता है। इस बार की प्रतियोगिता 14 से 19 अक्टूबर के बीच आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए टीम का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आधार पर किया गया है, जिसमें आयोजन वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल के अंतर्गत अपने उद्योगी सहयोगियों के साथ किया गया।

वह पूरे विश्व के साथ कहते हैं, में आबू धाबी में पदक जीतने अपने माया तथा देश का नाम रोशन करना चाहता हूं। आदर्श बताते हैं कि शुरू में गाड़ियों उन्हें अपने आकर-उकर या डिजाइन के कारण आकर्षित करती थीं, जबकि उन्हें रख-रखाव, मरम्मत के बारे में उन्हें ज़्यादा जानकारी नहीं थी। सिर्फ आकर्षण के कारण वह टाटा मोटर्स, पुणे में भूमिका का कोर्स करने चले गए, पर वहाँ पहुंचने उन्हें गाड़ियों की इज़हार से भी प्यार हो गया और उन्होंने जाना कि गाड़ियों में अपना जीवन सिखाया जा सके।

प्लास्टिक ढाई दीडीनियिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सुनील गुप्ता के तमिलनाडू के स्कूल स्तर के छात्रों भी जोश-खोशी से भरे जगह आते हैं। उन्होंने निगमों वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खाने पर लगी हुई हैं। पुणे की ही होनेवाली तकिलनाइ का उपयोग करने में भारत का आदर्श बताते हैं। उन्होंने चुनौती और आदर्श का लेना सीखा, जो उन्हें वास्तव में वास्तव में मानता है। प्लास्टिक ढाई दीडीनियिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सुनील गुप्ता के तमिलनाडू के भारतीय जोश-खोशी से भरे जगह आते हैं। उन्होंने निगमों वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खाने पर लगी हुई हैं। पुणे की ही होनेवाली तकिलनाइ का उपयोग करने में भारत का आदर्श बताते हैं। उन्होंने चुनौती और आदर्श का लेना सीखा, जो उन्हें वास्तव में वास्तव में मानता है।
भोपाल में पिछले दिनों ग्लोबल स्किल्स पार्क का शिलान्यास किया गया। सन 2016 के अपने सिंगापुर दौरे के दौरान माननीय प्रधानमंत्री ने सिंगापुर के तकनीकी विवरणों के साथय से भारत में एक विश-स्तरीय कौशल पार्क (ग्लोबल स्किल्स पार्क) स्थापित करने की इच्छा जताई थी। उसके उपरान्त इस संस्था में दोनों देशों के बीच एक समझौता भी हुआ। उसी समझौते का परंपरा है। उसी समझौते से कविींग्नों से सहयोग से भारत में एक कविी लघु कौशल पार्क (ग्लोबल कौशल्स पार्क) स्थापित किया जाएगा। पार्क में हर वर्ष विश्वविद्यालयों का प्लेसींट भारत एवं भारत द्वारा इंटरनेशनल स्तर पर कविींग्न किया जाएगा।

परिस में पिछले दिनों इंडिया स्किल्स बॉक्स का आयोजन किया गया। एक सप्ताह के इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय कौशल निर्माण ने पूर्वोत्तर इंडिया फाउंडेशन फार एक्सेलेंस के साथ दो समझौते किए। महाराष्ट्र में प्रशासन दोनों के बीच हिंदी थी, जबकि दूसरे समझौते में यूआईएसए की भी सहभागिता थी। दोनों ही समझौते भारत में कविश्व कविश्व के व्यापक जगत का प्रतिनिधित्व करता है।

नागपुर में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री राजीव गृहीत ने वरिष्ठ गृहीत एंड स्किलिंग सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। यह केंद्र राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के प्रशिक्षण सहयोगी ऑर्गनि�ზेशन के साथ चलने का शिक्षाविद्यालय ने एचआईएसबी सी ने सहयोग किया है। इस अवसर पर सुप्रीम प्रेम निस्तेजन-निदेशक सुभाष भाड़ा एवं एचआईएसबी ने सम्मान पद्म भी उपस्थित थे।
यदि हम देश को विकास की ओर ले जाना चाहते हैं तो कौशल विकास हमारा मिशन होना चाहिए।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री चौहान ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम को अपना पूर्ण समर्पण देते हुए कहा कि भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने के लिए, यह सबसे उत्पादों से अपील करें। जहां तक भी संभव हो सकेगा, वह यह संवाद पहुंचाने की कोशिश करेंगे ताकि देश के ज्यादा से ज्यादा युवा कौशल अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व में भी वह अपने कार्यक्रमों के जरिए कौशल भारत अभियान के बारे में लोगों को बताएगा।

मोहिट चौहान ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के लिए रजने कृमो विद्या द्वारा संकलित, संपीडित, संग्रहीत एवं सुसंपूर्णता

न.स.ड.स. कौशल भारत
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

08800055555
आपका मिस्ट कॉल
आपकी फिस्सिनद बदल सकता है।

Skill India
कौशल भारत - कौशल भारत

301 वर्ल्ड मार्क—1 (पश्चिमी भाग), एसोसिटी, नई दिल्ली—110037
nsdc@nsdcin.org // 011-47451600